सवाल

नगरीय प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल, शहर में चर्चा तेज

स्थगन आदेश की अवहेलना, दबंग कर रहा तालाब की मेड़ का चीरहरण

नवभारत, शहडोल। जल संरक्षण को लेकर जहां एक ओर पूरे प्रदेश में 'जल गंगा संवर्धन' जैसे अभियान चलाकर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, वहीं ब्योहारी में तालाबों और जल स्रोतों पर अतिक्रमण का मामला प्रशासनिक लापरवाही की पोल खोल रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ब्योहारी के समीप तालाब की मेड़ को खोदकर अवैध निर्माण किए जाने का मामला इन दिनों नगर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

बताया जा रहा है कि ब्योहारी निवासी श्री प्रकाश गुप्ता द्वारा खसरा नंबर 1274, रकबा 0.729 हेक्टेयर, जो तालाब की मेड़ के रूप में दर्ज है, पर मकान निर्माण के लिए खुदाई कर उसकी संरचना में बदलाव किया जा रहा है। जबकि यह भूमि सार्वजनिक उपयोग के अंतर्गत आती है। मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार ब्योहारी द्वारा तत्काल प्रभाव से कार्य रोकने हेतु स्थगन आदेश जारी किया गया था। साथ ही आदेश की प्रति मुख्य नगर पालिका अधिकारी को भेजते हुए निर्माण सामग्री जब्त करने के निर्देश भी दिए गए थे।

प्रशासन को खुली चुनौती कार्रवाई नहीं होने से सवाल

स्थगन आदेश के बावजूद मौके पर निर्माण कार्य जारी रहने से नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि राजस्व विभाग द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं, तो फिर नगर परिषद द्वारा सामग्री जब्त करने की कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। इससे यह आशंका भी जताई जा रही है कि कहीं न कहीं प्रशासन की मौन सहमति से यह अवैध निर्माण हो रहा है।

अतिक्रमण पर नहीं लग रही लगाम

नगर परिषद की अनदेखी के चलते क्षेत्र में नदी, तालाब और अन्य जल स्रोतों पर अतिक्रमण के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बावजूद इसके जिम्मेदार विभागों द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे भू-माफियाओं के हौसले बुलंद हैं।

इनका कहना है

मामला दिखवाता हूं। नगर परिषद से बात कर सामग्री जब्त करने के निर्देश देता हूं।
राजकुमार रावत,
तहसीलदार, ब्योहारी

निर्माण के लिए कोई अनुमति नहीं है। यह तालाब की मेड़ है। मामला मेरे संज्ञान में अभी आया है, तत्काल कर्मचारियों को भेजकर सामग्री जब्त करवाई जाएगी।
शिवांगी पाण्डेय,
मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर परिषद ब्योहारी

अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में कब तक सख्त कार्रवाई करता है या फिर यह अवैध निर्माण यूं ही जारी रहता है।

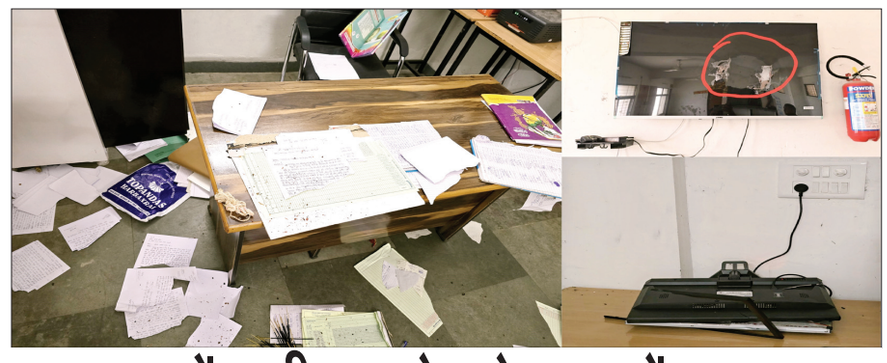

छात्रावास में आधी रात तोड़फोड़, लाखों का नुकसान

सीसीटीवी फुटेज से खुल सकता है राज, पुलिस जांच में जुटी

नवभारत, ब्योहारी। विकासखंड ब्योहारी अंतर्गत शासकीय मॉडल स्कूल खड़ौली के बालक एवं बालिका छात्रावास में बीती रात अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा जमकर तोड़फोड़ किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस घटना में लाखों रुपये की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्कूल में छुट्टियां होने के कारण छात्रावास इन दिनों खाली पड़ा हुआ है और वहां केवल चौकीदार ही तैनात हैं। 3 मई की रात करीब 8 बजे बालक छात्रावास के चौकीदार शिव प्रसाद कुशवाहा एवं बालिका छात्रावास की चौकीदार प्रेमवती कुशवाहा भोजन के लिए अपने-अपने घर चले गए थे। इसी दौरान सुनसान का फायदा उठाते हुए अज्ञात तत्वों ने दोनों छात्रावासों के ताले तोड़ दिए और अंदर घुसकर जमकर उत्पात मचाया। आरोपियों ने छात्रावास में लगे एलईडी टीवी, कंप्यूटर मॉनिटर सहित अन्य सामान को तोड़ दिया। साथ ही अलमारी में रखे जरूरी दस्तावेज बाहर निकालकर इधर-उधर फेंक दिए। घटना की स्थिति को देखकर स्पष्ट प्रतीत होता है कि आरोपियों का उद्देश्य चोरी नहीं, बल्कि रंजिशन नुकसान पहुंचाना था।

सीसीटीवी फुटेज बनेगा अहम सुराग

छात्रावास परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे इस मामले की गुत्थी सुलझाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। यदि पुलिस गंभीरता से जांच करती है, तो आरोपियों की पहचान जल्द ही सामने आ सकती है। घटना की शिकायत थाना ब्योहारी में दर्ज कराई गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और असामाजिक तत्वों की तलाश की जा रही है।

आदिवासी बहुल में भूमाफिया का खेल उजागर

आदिवासी जमीन के अवैध विक्रय का मामला

नवभारत, जयसिंहगनर। आदिवासी बहुल जिले शहडोल में भूमाफियाओं की सक्रियता एक बार फिर सवालों के घेरे में है। ताजा मामला जयसिंहनगर तहसील के ग्राम जमुनिया का सामने आया है, जहां आदिवासी की भूमि का कथित रूप से नियमों के विपरीत गैर-आदिवासी के नाम पंजीयन कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम जमुनिया स्थित खसरा नंबर 311 की लगभग 1.011 हेक्टेयर भूमि, जो कि डोलिया जनजाति के कर्ता प्रसाद के नाम दर्ज है, का विक्रय बिना सक्षम अनुमति के कर दिया गया। जबकि मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 165(6) के तहत आदिवासी भूमि का गैर-आदिवासी को विक्रय कलेक्टर की अनुमति के बिना संभव नहीं है। आरोप है कि पंजीयन अधिकारी द्वारा नियमों की अनदेखी करते हुए उक्त भूमि का पंजीयन गैर-आदिवासी व्यक्ति राजेन्द्र प्रसाद के नाम कर दिया गया। इतना ही नहीं, पंजीयन दस्तावेज में यह भी उल्लेख किया गया कि भूमि अधिसूचित क्षेत्र में नहीं आती, जबकि जयसिंहनगर तहसील अनुसूचित क्षेत्र के अंतर्गत आती है।

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि इस पूरे मामले में पंजीयन अधिकारी, सेवा प्रदाता और खरीदार के बीच मिलीभगत कर आदिवासी की भूमि का अवैध तरीके से सौदा किया गया है। इस संबंध में संभागायुक्त और कलेक्टर शहडोल को 16 अप्रैल 2026 को शिकायत सौंपते हुए दोषियों के खिलाफसख्त कार्रवाई एवं पंजीयन निरस्त करने की मांग की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिले में भूमाफियाओं के हौसले बुलंद हैं और वे लगातार आदिवासी एवं शासकीय भूमि पर कब्जा करने में लगे हैं। बावजूद इसके राजस्व विभाग की ओर से अब तक ठोस कार्रवाई नहीं होने से सवाल उठ रहे हैं। अब देखने वाली बात होगी कि प्रशासन इस गंभीर मामले में क्या कदम उठाता है और क्या आदिवासी भूमि की सुरक्षा के लिए ठोस कार्रवाई की जाती है।

कोयलांचल में नशे के विरुद्ध जन-जागरण : डॉ. अभिषेक मिश्रा की संवेदनशील पहल

युवाओं से की आत्मबल और उज्ज्वल भविष्य की ओर लौटने की अपील

नवभारत, धनपुरी। कोयलांचल क्षेत्र में इन दिनों नशे का बढ़ता प्रभाव समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बनकर उभर रहा है। विशेष रूप से युवाओं में प्रतिबंधित दवाओं के दुरुपयोग की प्रवृत्ति चिंता का विषय है। ऐसे समय में धनपुरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अपनी सेवाएं दे रहे डॉ. अभिषेक मिश्रा ने न केवल इस समस्या पर गहन चिंता व्यक्त की है, बल्कि एक संवेदनशील चिकित्सक और समाजसेवी के रूप में युवाओं के लिए आशा की किरण भी प्रस्तुत की है।

डॉ. मिश्रा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि कोई युवा भूलवश या गलत संगति के कारण इस प्रकार के नशे की गिरफ्त में आ गया है, तो उसे भय या शर्म का अनुभव करने की आवश्यकता नहीं है। वे खुले मन से आगे आएं, चिकित्सकीय सलाह लें और इस दलदल से बाहर निकलने का साहसिक निर्णय लें। उन्होंने यह भी कहा कि 'हर समस्या का समाधान है, बस पहला कदम उठाने की आवश्यकता है।'

उन्होंने युवाओं को समझाते हुए कहा कि नशा किसी भी परिस्थिति का समाधान नहीं, बल्कि जीवन को अंधकार में धकेलने वाला एक भ्रामक मार्ग है। गलत संगत, एकांतप्रियता और मानसिक तनाव ऐसे कारक हैं, जो युवाओं को इस दिशा में धकेलते हैं। अत: आवश्यक है कि युवा सकारात्मक वातावरण में रहें, अच्छे मित्रों का चयन करें और अपने परिवार तथा समाज से जुड़े रहें।

डॉ. अभिषेक मिश्रा की यह पहल न केवल एक चिकित्सकीय जिम्मेदारी का निर्वहन है, बल्कि समाज के प्रति उनकी गहरी संवेदनशीलता और समर्पण का परिचायक भी है। उनकी यह मित्रवत अपील युवाओं के हृदय को स्पर्श करती है और उन्हें यह विश्वास दिलाती है कि वे अकेले नहीं हैं, बल्कि समाज और चिकित्सा जगत उनके साथ खड़ा है। उन्होंने आगे कहा कि युवावस्था जीवन का स्वर्णिम काल होता है, जिसमें ऊर्जा, उत्साह और संभावनाओं की कोई कमी नहीं होती। यदि इस काल में युवा अपने लक्ष्य से भटक जाते हैं, तो इसका प्रभाव उनके पूरे जीवन पर पड़ता है। इसलिए आवश्यक है कि वे अपनी ऊर्जा को पढ़ाई, खेल, कला और अध्यात्म जैसे सकारात्मक क्षेत्रों में लगाएं।

डॉ. मिश्रा ने विशेष रूप से अध्यात्म और आत्मचिंतन को जीवन में अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ध्यान, योग और आध्यात्मिक साधना न केवल मानसिक शांति प्रदान करती है, बल्कि व्यक्ति को आत्मबल और सही दिशा भी देती है। जब मन सशक्त होता है, तब किसी भी प्रकार का प्रलोभन व्यक्ति को विचलित नहीं कर सकता। समाज के अन्य वर्गों से भी उन्होंने अपील की कि वे इस अभियान में सहभागी बनें।

भुईबांध स्कूल में विज्ञान संकाय के सभी छात्र अनुत्तीर्ण

विद्यालय के खराब परीक्षा परिणाम पर उठे सवाल

नवभारत,शहडोल । शहर के वार्ड क्रमांक 39 स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भुईबांध के परीक्षा परिणाम को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। एक शिकायती पत्र के माध्यम से संबंधित अधिकारियों पर सवाल उठाते हुए प्रभारी प्राचार्य को पद से हटाने की मांग की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 28 अप्रैल 2025 को संभागीय उपायुक्त, जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति विकास शहडोल द्वारा जारी आदेश के बाद विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य ज्ञानेंद्र सिंह बघेल (उच्च माध्यमिक शिक्षक) द्वारा 12वीं कक्षा के 17 छात्रों में से 5 छात्रों को प्राइवेट कर दिया गया तथा 12 छात्रों को नियमित रखा गया। इसके बावजूद परीक्षा परिणाम अत्यंत खराब रहा। कला संकाय में मात्र 16.66 प्रतिशत तथा विज्ञान संकाय में शून्य प्रतिशत परिणाम दर्ज किया गया।

प्रभारी प्राचार्य को हटाने की मांग

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि इस निर्णय के कारण कई छात्रों का एक वर्ष बर्बाद हो गया। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय में अध्ययनरत अधिकांश छात्र जनजातीय वर्ग से हैं, जिन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलनी चाहिए थी, लेकिन लापरवाही और उदासीनता के कारण परिणाम निराशाजनक रहा।शिकायती पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि कक्षा 10वीं में भी केवल 3 छात्र ही उत्तीर्ण हुए, जो शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। शिकायतकर्ता ने आयुक्त से मांग की है कि प्रभारी प्राचार्य को तत्काल पद से हटाकर उचित कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में छात्रों का नुकसान न हो। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई होती है।

गांधी चौक में भाजपाइयों ने मनाया जश्न

मिठाई बांटकर जताई खुशी

नवभारत,शहडोल। नगर के हृदय स्थल गांधी चौक में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल एवं असम में भाजपा की शानदार जीत पर जश्न मनाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने झालमुड़ी और मिठाइयां बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया और एक-दूसरे को जीत की बधाई दी। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष अमिता चपरा, अमरकंटक विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष राजेन्द्र भारती, भाजपा महामंत्री अमित मिश्रा, नगरपालिका उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा डोली, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष निभा गुप्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता योगेन्द्र चतुर्वेदी, पदम खेमका, राजेश्वर उदानिया, विजय गुप्ता, रविन्द्र वर्मा, प्रवीण नामदेव, अभिषेक चौकसे, राकेश कन्नौजिया, मीनू सिंह, अतुल तिवारी और आशीष तिवारी, मनीष गुप्ता सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अमिता चपरा ने कहा कि पश्चिम बंगाल और असम में मिली जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, सुशासन और जनकल्याणकारी नीतियों पर जनता की मुहर है। उन्होंने कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के विश्वास का परिणाम है, जो आने वाले समय में पार्टी को और मजबूत करेगी।

सफलता

एरिया महाप्रबंधक उत्पादन बढ़ाने को लेकर दे रहे जोर

अमलाई ओपन कास्ट एवं रामपुर में बढ़ रहा कोयला उत्पादन

नवभारत, धनपुरी। एसईसीएल सोहागपुर एरिया कोयला उत्पादन को लेकर अब शुरुआत से ही आगे बढ़ते हुए देखी जा रही है मुख्यालय के द्वारा जो वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य एरिया को दिया गया है उसे लक्ष्य को देखते हुए एरिया को अपना उत्पादन बढ़ाना होगा और तभी लक्ष्य समय के साथ पूरा हो सकेगा वर्तमान समय में अगर देखा जाए तो एरिया की सभी खदानों में कोयला उत्पादन हो रहा है और प्रतिदिन 22000 टन से भी अधिक कोयला उत्पादन प्रबंधन की कुशल रणनीति को माना जा सकता है वर्तमान समय में अगर देखा जाए तो एरिया की सभी भूमिगत खदान जो अब सीएम प्रोजेक्ट से कोयला उत्पादन कर रही हैं जिस कारण से यहां पर उत्पादन भी तेजी से हो रहा है तो दूसरी तरफ ओपन कास्ट खदानों में अगर देखा जाए तो

यहां पर भी लगातार कोयला उत्पादन बढ़ता हुआ देखा जा रहा है वैसे भी अगर देखा जाए तो जून महीने से बरसात शुरू हो जाती है और प्रबंधन इस बात का ध्यान रखते हुए उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ रही है ओपन कास्ट खदानों में होने वाला उत्पादन एरिया के वार्षिक कोयला उत्पादन में अपना सबसे अधिक योगदान देती है कुछ समय के लिए अमलाई ओपन कास्ट में कोयला उत्पादन न होने से प्रबंधन की चिंता साफ तौर पर देखी जा रही थी लेकिन वर्तमान में यहां पर उत्पादन शुरू भी हो गया है और प्रतिदिन नए-नए रिकॉर्ड भी बना रहा है दो मई को अगर देखा जाए तो इस ओपन कास्ट में 7414 टन कोयला उत्पादन हुआ था और यह इस वर्ष का सबसे अधिक 1 दिन में यहां पर उत्पादन भी माना जा सकता है।

अमलाई ओपन कास्ट कोयला उत्पादन को लेकर हमेशा से एरिया में अपनी अलग पहचान रखी है एरिया के वार्षिक उत्पादन लक्ष्य में इस ओपन कास्ट खदान की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण रही है और वर्तमान समय में यहां पर एक बार फिर बढ़ता हुआ उत्पादन एरिया के लिए महत्वपूर्ण भी माना जा रहा है वैसे मुख्यालय के द्वारा इस ओपन कास्ट में नए उप क्षेत्रीय प्रबंधक की पद स्थापना भी की गई है जो की पदभार ग्रहण करने के बाद से ही यहां पर कोयला उत्पादन बढ़ाने को लेकर लगातार प्रयास कर रहे हैं दूसरी तरफ अगर रामपुर ओपन कास्ट की बात की जाए तो अभी यहां पर 8000 टन के आसपास कोयला उत्पादन हो रहा है और ऐसी उम्मीद है कि आने वाले समय में इस ओपन कास्ट में और अधिक कोयला उत्पादन देखने को मिलेगा इसके साथ-साथ भूमिगत खदानों में अगर देखा जाए तो खैरहा भूमिगत खदान में 3300 टन कोयला उत्पादन प्रतिदिन हो रहा है जो एरिया की तीसरी सबसे बड़ी खदान भी मानी जा रही है यहां पर उप क्षेत्रीय प्रबंधक पी हरी बाबू के पदभार ग्रहण करने के बाद कोयला उत्पादन सहित व्यवस्थाओं में बेहतर देखने को मिला है जो एक बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है।

दूसरी तरफ एरिया महाप्रबंधक बी के जेना लगातार कोयला खदानों का निरीक्षण कर रहे हैं और यहां पर उत्पादन सुरक्षा के साथ बढ़ाने पर जोर भी दे रहे हैं महाप्रबंधक के पदस्थ होने के बाद से ही अगर एरिया में देखा जाए तो दो भूमिगत खदानों में सीएम प्रोजेक्ट का काम पूरा हुआ और आज यहां पर कोयला उत्पादन देखा जा सकता है इसी तरह ओपन कास्ट खदानों में भी कोयला उत्पादन उनके पदस्थ होने के बाद बढ़ता हुआ देखा गया है महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में समस्त खदानों में उत्पादन बढ़ने पर जोर देखा जा सकता है और मुख्यालय के द्वारा जो वार्षिक उत्पादन लक्ष्य दिया गया है उसे शुरुआत से ही पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए देखा जा रहा है दूसरी तरफ बरसात का मौसम जो 15 जून के बाद शुरू हो जाता है इसे भी देखते हुए अभी से व्यवस्थाओं को बेहतर करने की दिशा में महा प्रबंधक के द्वारा समस्त खदानों को निर्देश दिए जा रहे हैं।

पुलिस ने युवक को उठाया तो आक्रोशित लोगों ने घेरी चौकी

छत्रपति शिवाजी महाराज पर की गई टिप्पणियों पर आपत्तिजनक प्रतिक्रिया देने का मामला

नवभारत, जबलपुर। छत्रपति शिवाजी महाराज पर की गई टिप्पणियों पर आपत्तिजनक प्रतिक्रियां देने पर पुलिस ने एक युवक को घर से उठा लिया। इसके बाद आक्रोशितजनों ने ननुसर चौकी का घेराव कर प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार छत्रपति शिवाजी महाराज पर की गई टिप्पणियों का लुहारी सूखा निवासी अविनाश पटेल ने वीडियो के माध्यम अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर विरोध जताया था। उक्त प्रतिक्रिया पर कुछ लोगों ने विरोध दर्ज कराते हुए थाने में शिकायत थी जिसके बाद पुलिस ने युवक को उठाया था । इसी को लेकर कुर्मी क्षत्रिय समाज, ओबीसी महासभा, एससी एसटी समुदाय ने एकजुट होकर चौकी का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि झूठी शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके आधार पर नुनसर चौकी प्रभारी विपिन तिवारी ने बिना निष्पक्ष जांच के कार्रवाई करते हुए अविनाश को घर से उठा लिया। इस घटनाक्रम से समाज में गहरा आक्रोश व्याप्त है। आक्रोशितजनों ने कहा कि यदि निष्पक्ष जांच कर न्याय नहीं दिया गया, तो आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में लोग चौकी परिसर पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य एड इंद्र कुमार पटेल, कुर्मी क्षत्रिय समाज जिला अध्यक्ष कुर्मी विवेक चौधरी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष विवेक पटेल, राजकिशोर पटेल, अविनाश पटेल, निशांत पटेल, मनोज पटेल, आशीष पटेल, मिथलेश ठाकुर, धीरज ठाकुर, गोविंद पटेल, आयुष पटेल, राम पटेल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।